9	॥ वर्षम्यवती । ना विना क्रिक्ट	
10	सर्ग नन्दीसरः। प्राप्टा क्रिक्स विकास का क्रिक्त विकास क्रिक्त	
11	विक्रमाता पर्यत्सुधर्मा तावित क्रिक्नम कुन्यानिक	195
12	नन्दनं वनम् ॥ १७८ ॥ ॥ ॥ १०८ ॥	
13	वृत्तः कल्पः पारिजाता मन्दारा क्रिचन्दनः।	
14	संतानश्च मिन्न किन गामिन	
15	धनुर्देवायुधं	33
16	तद्रजु रोन्हितम् ॥ १७६ ॥	35
17	दीर्घ बैरावतं	
18	वज्ञं वशनिद्धीदिनी स्वरुः।	36
19	शतकोििः पविः शम्बा दम्भालिभिंडरं भिडः॥ १८०॥	37
20	व्याधामः कुलिशाना । जाना जाना जाना जाना जाना	
21	रस्यार्चिशतिभीः	
22	मानिक उन्हें मानिक स्पूर्तथुर्धिनः।	
23	स्वर्वैद्याविधनोपुत्राविधना वडवासुता ॥ १८१ ॥	10
24	नासिक्यावर्कतौ रस्री नासत्याविष्धितौ यमा।	52
25	विश्वकर्मा पुनस्वष्टा विश्वकृद्देववर्धिकः ॥ १८२ ॥	13
26	स्वःस्वर्गिवध्वा जप्सर्सः स्वर्वेश्या उर्वशीमुखाः।	14
	9. Indra's Stadt 10. Indra's Teich 11. Indra's Hof	
	Indra's Hain. — 13. 14. Indra's 5 Bäume. — 15. Indra's — 16. Indra's gerader Bogen. — 17. Indra's gerader	
langer Bogen. — 18—20. Indra's Donnerkeil (12 W.). — 21. Der		
Lichtglanz des Donnerkeils, der Blitz. — 22. Der Schall des Don-		
nerkeils, der Donner. — 23. 24. Die beiden Açvin's (10 W.). — 25. Viçvakarman, der Baumeister der Götter (4 W.). — 26. Urvaçi		
und die übrigen sind die Mädchen der Götter (4 W.).		